Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SLA–221

B.A. Part–III Due of B.A. Part–II (Supplementary) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) नाटक 'कबीरा खड़ा बाजार में' कबीर के मित्र कौन-कौन हैं ?

(ii) "तू चाहे यहाँ से चला जा और किसी जगह जाकर बस जा। चाहे हमें छोड़कर चला जा। लेकिन अपनी दुरगत न करा।"

यह कथन किसने किससे कहा ?

(iii) "अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।" कथन किसका है ?

(iv) फरियादी की बकरी की मौत कैसे हुई थी ?

(v) 'एक और द्रोणाचार्य' के **दो** आधुनिक पात्रों के नाम लिखिए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक कितने भागों में विभाजित है ?

(vii) 'एक तोला अफीम की कीमत' के **दो** पात्रों के नाम लिखिए।

(viii) जगदीश चन्द्र माथुर के **दो** एकांकी के नाम लिखिए।

(ix) 'भारतेन्दु' के अनुसार हिन्दी का सर्वप्रथम मौलिक नाटक किसके द्वारा लिखा गया था ?

(x) एकांकी व नाटक में **दो** अन्तर बताइये।

खण्ड–ब

2. तो बच्चा, ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके सेर खाजा बिकता है। मैं तो इस नगर में अब एक क्षण भी नहीं रहूँगा। देख, मेरी बात मान, नहीं तो पीछे पछताएगा। मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ कि कभी संकट पड़े तो याद करना।

3. बात यह है कि कल कोतवाल को फाँसी का हुक्म हुआ था। जब फाँसी देने को उसे ले गए तो फाँसी का फंदा बड़ा निकला, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज की इस पर हुक्म हुआ कि किसी मोटे आदमी को फाँसी दे दो, क्योंकि बकरी मरने के अपराध में किसी न किसी को सजा होना जरूरी है, नहीं तो न्याय न होगा।

4. तू यह क्या कहता फिरता है, कबीरा मेरा दिल दहलता है। जिन लोगों के हाथ में ताकत होती हैं, उन लोगों के दिल में रहम नहीं होता, बेटा तू अपनी औकात देख। तू मेरी बात मान, बेटा, तू सुनकर अनसुनी कर जाया कर, पर मुँह से से कुछ न बोला कर। ..... क्या बहुत दर्द हो रहा है ?

5. जन्नत से भी ज्यादा खूबसूरत है। मेरे दिल में मेरा मालिक बसता है।

इस घट अन्तर बाग बगीचे, इसी में सिरजनहारा

इस घट अन्तर सात समन्दर, इसी में नौ लख तारा

इस घट अन्तर पारस मोती, इसी में परखनहारा

इस घट अन्तर अनहद गरजै इसी में उठत फुहारा

कहत कबीर सुनो भई साधो, इसी में साईं हमारा।

6. ए लो सरकार, आप लोग न जाने ? हम गरीब मनई सरकार के काम को का समझे ? हाँ कहत रहे कि अफीम अब बढ़ाय गई है। गाजीपुर से नवा कारवार चालू भवा है। यही वरे जाना पड़ गवा।

7. "पिताजी! धृष्टता क्षमा कीजिए। मेरे विवाह के लिए आपको अपनी सारी जमींदारी बेचनी पड़ती। ६000 आप कहाँ से लाते ? आप तो भिखारी हो जाते। इससे अच्छा यही है कि मैं भगवान की शरण में जाऊँ। अब आप निश्चित हो जाइये। आह, यदि मेरे बलिदान से हिन्दू समाज की आँखें खुल सकतीं ! आपकी विश्वमोहिनी।" (गहरी साँस लेकर) कितनी भयानक बात!

8. जिस दिन आप सेक्रेटरी चुने गए थे, उस दिन आपका भी चंदा नहीं आया था, और आप सदस्य नहीं थे। जो सदस्य न हो वह सेक्रेटरी कैसे बन सकता है ? मैं सेक्रेटरी के चुनाव को चैलेंज करता हूँ।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

9. नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

10. आधुनिक बोध की दृष्टि से 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की समीक्षा कीजिए।

11. एकांकी 'बहुत बड़ा सवाल' शीर्षक के मूल आशय को स्पष्ट करते हुए उसकी सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

12. हिन्दी एकांकी की विकास यात्रा पर निबंध लिखिए।